Ministry of Ayush
Government of India

Species Specific Campaign on

Shatavari

"For Better Health"

Glory of Shatavari (Narayan)

(१) नारायणं भजत रे ! जठरेण युक्ता -
(२) नारायणं भजन रे ! पवनेन युक्ताः ।
(3) नारायणं भजत रे ! भवभीतियुक्ता- नारायणात्परतरं न हि किश्चिदस्ति ।। २० ।।

Meaning: Made from Indrayana for Stomach Diseases
Narayan powder, Maha Narayan oil made from Shatavari, take the name of Lord Vishnu i.e. Narayan for all Vaat Diseases and to swim in this worldly ocean, that is, there is no medicine better than Narayan for these three.

Reference: वैद्य जीवन पंचम विलासः कुक्षिवातभवभयरोगाणां भेषज, Verse number 20.

OBJECTIVES

To create awareness about the health benefits (medicinal and nutritional value in daily life) of Shatavari among the public and promote usage of this potential medicinal plant throughout the country.

USES

The use of plants or plant parts as health promoter or for medicinal purpose finds references in various traditional cultures and different traditional systems of medicines across the globe and a large number of plant species in traditional systems of medicines are also categorized based on their property or use. It is also used in 80 types of Vaat Rog (Neurological Disorders).

PART USED

Tuberous Root

BENEFITS

Awareness on Shatavari plant as intercrop or on backyard wasteland or on boundaries

CLIMATE AND SOIL

Plant usually grows in a variety of soils including medium black having pH 7-8, electrical conductivity 0.15, organic carbon 0.79% and phosphorus 7.3 kg/acre. It can be easily grown in sub-tropical & Sub-temperate agro-climatic regions up to 1400 m.

PROPAGATION AND MATERIAL

Seeds, Tuberous Root

AGRO TECHNIQUE

DIRECT SOWING

Seeds are sown in April in raised beds at 5 cms apart to facilitate decay of its hard seed coat by the time monsoon commenced. Germination start in 8 to 10 days after the first shower of monsoon in June. The seedlings were transplanted on ridges at 60 x 60 cms apart and provided bamboo stakes when the plants attained a height of 45 cms. Vegetative propagation is by division of rhizomatous disc present at the base of the aerial stem. The rhizomatous disc develops several vegetative buds around the aerial shoots.

S. No.	Particular of Activities	Cost in Rupees
1.	Cost of Shatavari Saplings	₹ 10Per Sapling X 1.00 Lakhs = 10.00 lakhs
2.	**IEC Activities**	
	a) Brochures on Shatavari	₹ 1.00 lakhs
	b) Print Media (Hoardings & Digital) depending upon insertion in national or local newspapers (details to provide)	₹ 1.00 lakhs
	C) Electronic media including documentary, Awareness programme / Doordarshan, All India Radio etc. (details to provide)	₹ 1.00 lakhs
	d) Organization of workshops/ local fairs/ competition among students (Elocution, Paintings & Drawings, Poetry writing etc.)	₹ 5.00 lakhs
	Total	₹ 18.00 lakhs
3.	Contingency	Not more than 5%

Note: A Project Management cost @ 5% can also be considered on merit.

NATIONAL MEDICINAL PLANTS BOARD
Ministry of Ayush, Government of India
1st & 2nd Floor, Annexe Building, Near Indian Red Cross Society,
Red Cross Road, New Delhi-110001
Tele: 011-2372-1840 | Website: www.nmpb.nic.in

सत्यमेव जयते
Ministry of Ayush
Government of India

प्रजाति विशेष अभियान

शतावरी

"बेहतर स्वास्थ्य के लिए"

शतावरी (नारायण) की महिमा

(१) नारायणं भजत रे ! जठरेण युक्ता -
(२) नारायणं भजन रे ! पवनेन युक्ताः ।
(3) नारायणं भजत रे ! भवभीतियुक्ता- नारायणात्परतरं न हि किश्चिदस्ति ।। २० ।।
अर्थ: पेट के रोगों के लिये इन्द्रायण से निर्मित नारायण चूर्ण, सभी वात रोगों में शतावरी से निर्मित महा नारायण तैल तथा इस संसार सागर से तरने के लिए भगवान विष्णु यानि नारायण का नाम ले, यानि इन तीनों के लिए नारायण से श्रेष्ठतम अन्य कोई औषधि नहीं है।
संदर्भ: वैद्य जीवन पंचम विलासः कुक्षिवातभवभयरोगाणां भेषज, श्लोक संख्या 20.

उद्देश्य

जनता के बीच सतावरी के स्वास्थ्य लाभों (दैनिक जीवन में औषधीय और पोषण संबंधी महत्व) के बारे में जागरूकता पैदा करना और पूरे देश में इस सशक्त औषधीय पौधे के उपयोग को बढ़ावा देना।

उपयोग

पौधों या पौधों के भागों का स्वास्थ्य संवर्द्धक या औषधीय प्रयोजन के लिए उपयोग, दुनिया भर में विभिन्न पारंपरिक संस्कृतियों और भिन्न-भिन्न पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में संदर्भ मिलता है और पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में बड़ी संख्या में पौधों की प्रजातियों को उनके गुण या उपयोग के आधार पर वर्गीकृत भी किया गया है। इसका उपयोग 80 प्रकार के वात रोग (तंत्रिका विकारों) में भी किया जाता है।

प्रयुक्त भाग

कंद मूल

लाभ

अंतर फसल के रूप में या पिछवाड़े की बंजर भूमि या सीमाओं पर सतावरी के पौधे के बारे में जागरूकता

जालवायु एवं मिट्टी

यह पौधा आमतौर पर कई तरह की मिट्टी में उगता है, जिसमें मध्यम काली मिट्टी जिसमें pH 7-8, विद्युत चालकता 0.15, कार्बनिक कार्बन 0.79% और फॉस्फोरस 7.3 किलोग्राम/एकड़ हो। इसे 1400 मीटर तक के उपोष्णकटिबंधीय और उप-शीतोष्ण कृषि-जलवायु क्षेत्रों में आसानी से उगाया जा सकता है।

प्रसार और सामग्री

बीज, कंद मूल

कृषि तकनीक

प्रत्यक्ष बुवाई

अप्रैल में बीजों को 5 सेमी की दूरी पर ऊंची क्यारियों में बोया जाता है ताकि मानसून शुरू होने तक इसके सख्त बीज आवरण को गलने में आसानी हो। जून में मानसून की पहली बारिश के 8 से 10 दिन बाद अंकुरण शुरू हो जाता है। पौधों को 60 x 60 सेमी की दूरी पर मेड़ों पर रोपा गया और जब पौधे 45 सेमी की ऊंचाई पर पहुंच गए तो उन्हें बांस की डंडियाँ प्रदान की गईं। वानस्पतिक प्रसार वायवीय तने के आधार पर मौजूद राइजोमेटस डिस्क के विभाजन द्वारा होता है। राइजोमेटस डिस्क वायव प्ररोह के चारों ओर कई वानस्पतिक कलियाँ विकसित होती है।

क्र.सं.	गतिविधियों का विवरण	लागत रुपयों में
1.	सतावरी के पौधों की कीमत	रु.10 प्रति पौधा x1 लाख = रु.10 लाख
2.	**आईईसी गतिविधियाँ**	
	क) सतावरी पर ब्रोशर	रु.1.00 लाख
	ख) प्रिंट मीडिया (होर्डिंग्स और डिजिटल) राष्ट्रीय या स्थानीय समाचार पत्रों में प्रविष्टि के आधार पर (विवरण प्रदान करना)	रु.1.00 लाख
	ग) इलेक्ट्रॉनिक मीडिया जिसमें वृत्तचित्र, जागरूकता कार्यक्रम/दूरदर्शन, ऑल इंडिया रेडियो आदि शामिल हैं (विवरण प्रदान करना)	रु.1.00 लाख
	घ) कार्यशालाओं/स्थानीय मेलों/छात्रों के बीच प्रतियोगिता का आयोजन (भाषण, पेंटिंग और चित्र, कविता लेखन आदि)	रु.5.00 लाख
	योग	**रु.18.00 लाख**
3.	आकस्मिकता	5% से अधिक नहीं

नोट: 5% की दर से परियोजना प्रबंधन लागत पर भी योग्यता के आधार पर विचार किया जा सकता है ।

भारत सरकार
आयुष मंत्रालय
राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड

पहली एवं दूसरी मंजिल, एनेक्सी बिल्डिंग
आईआरसीएस, 1 रेड क्रॉस रोड, नई दिल्ली – 110001
टेलीफोन नंबर 011–23721840
वेबसाइट: www.nmpb@nic.in